संकलित परीक्षा - I (2015-16)

हिन्दी 'ब'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

बहुधा हम तप को निर्धनता या आत्म त्याग की मूल कहते हैं। तप यह दोनों ही नहीं है। तप परिपक्वता से आता है। यह सामाजिक आरोग्यता का प्रतीक है। प्राय: जो व्यक्ति तप का अभ्यास करते हैं वे सम्पन्नता से चिढ़ते हैं। एक मजदूर द्वारा कठिन परिश्रम किया जाना भी एक तप है पर यह बहुत दयनीय स्थिति है, इस प्रकार का तप परिपक्वता से नहीं बल्कि मजबूरी द्वारा आता है। वास्तविक तप तो सम्पन्नता के प्रति सहनशील होना है और इसमें कोई आक्रोश नहीं। वास्तव में परिपक्व व्यक्ति को उनके प्रति दया होगी जो तप नहीं करते। अभिमान है आत्मा की निर्धनता। तप इस झूठे अभिमान से मुक्ति दिलाता है परंतु तप का घमण्ड फिर एक अभिमान है। तप उत्सव के विरुद्ध नहीं और केवल आडम्बर उत्सव नहीं। उत्सव तो केवल आत्मा में उदित होता है। केवल वही जिसमें आत्मिक सम्पन्नता है, तप कर सकता है। किसी के पास सांसारिक सम्पन्नता हो सकती है परन्तु यदि उसमें आत्मिक निर्धनता है, वह न तो उत्सव मना सकता है न ही विकसित हो सकता है।

(i) तप किससे आता है ?

(क) परिपक्वता से। (ख) परिश्रम से।

(ग) घमंड से। (घ) पूजा-पाठ से।

(ii) तप किसका प्रतीक है ?

(क) सामाजिक आरोग्यता का। (ख) आर्थिक उन्नति का।

(ग) सामाजिक समरसता का। (घ) व्रत और उपवास का।

(iii) तप का अभ्यास करने वालों को संपन्नता से चिढ़ना है -

(क) दयनीय स्थिति। (ख) बेहतर स्थिति।

(ग) श्रेष्ठ स्थिति। (घ) विचारणीय स्थिति।

(iv) अभिमान का दूसरा नाम है-

(क) जीवन की निर्धनता। (ख) आत्मा की निर्धनता।

(ग) जीवन मूल्यों की निर्धनता। (घ) आत्मा का भरण।

(v) उत्सव मनाने वाले व्यक्ति में होती है-

(क) आत्मिक सम्पन्नता। (ख) आर्थिक सम्पन्नता।

(ग) सामाजिक सम्पन्नता। (घ) आर्थिक विवशता।

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

जिह्वा सभी को मिली है, किन्तु उचित बोलना बहुत कम लोग जानते हैं। प्राय: लोग कड़वी बातों में दूसरे की व्यर्थ निंदा-स्तुति में वाणी की सार्थकता समझते हैं। उन दिव्य पुरुषों की संख्या अँगुलियों पर ही गिनी जा सकती है। जिनकी जिह्वा में अमृतोपय मधुरता एवं हिम की सी शीतलता रहती है ऐसे लोगों की वाणी से निराश जीवन को उत्साह मिलता है। नरक की यंत्रणा में छटपटाने वाले को धैर्य और आश्वासन मिलता है। व्यक्तित्व का परिचय देने में वाणी प्रथम है, क्योंकि अन्य गुण तो साथ रहने पर धीर-धीरे प्रकट होते हैं पर वाणी की गरिमा तत्काल प्रकट होती है। इसके द्वारा सर्वथा अपरिचित को भी, थोड़े वार्तालाप में ही स्नेह और सहानुभूति के सूत्र में बाँधा जा सकता है। दिव्य वाणी बोलने वाले के लिए संसार में चारों तरफ अमीर गरीब परिचित-अपरिचित सबके द्वार स्वागत के लिए खुले रहते हैं। उनके मान में लोग पलक पाँवड़े विछा देते हैं। ऐसा सम्मान छत्रधारी सम्राट होने पर भी शायद ही कोई पा सकता है।

(i) जिह्वा सभी को मिली है किन्तु उचित बोलना-

(क) सभी जानते हैं। (ख) कम लोग जानते हैं।

(ग) ज्यादातर लोग जानते है। (घ) पढ़े-लिखे लोग जानते हैं।

(ii) प्राय: लोग वाणी की सार्थकता समझते हैं-

(क) कड़वी तीखी बातों में, दूसरों की व्यर्थ निंदा स्तुति में।

(ख) प्यार भरी बातों में, अपनों की व्यर्थ निंदा स्तुति में।

(ग) सामान्य बातों में, सभी की निंदा स्तुति में।

(घ) अधिक बातें करने में।

(iii) 'व्यक्तित्व' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग है ?

(क) व्यक्ति (ख) त्व (ग) व (घ) तत्व

(iv) सबके द्वार स्वागत के लिए खुले रहते हैं-

(क) अमीर के लिए। (ख) गरीब के लिए।

(ग) दिव्य वाणी बोलने वाले के लिए। (घ) कलाकार के लिए।

(v) ''पलक पाँवड़े बिछाना'' का अर्थ है ?

(क) पलकें बंद कर लेना। (ख) सम्मान देना।

(ग) रास्ता साफ करना। (घ) अपलक निहारना।

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

आ रही रवि की सवारी

नव किरण का रथ सजा है,

कलि कुसुम से पथ सजा है,

बादलों-से-अनुचरों ने, स्वर्ण की पोशाक धारी।

आ रही रवि की सवारी।

विहग, बंदी और चारण,

गा रहे हैं, कीर्ति-गायन,

छोड़कर मैदान भागी, तारकों की फौज सारी।

चाहता उछलूँ विजय कह

पर ठिठकता देखकर यह

रात का राजा खड़ा है, राह में बनकर भिखारी

आ रही रवि की सवारी।

(i) किसकी सवारी आ रही है ?

(क) चाँद की। (ख) रवि की। (ग) दूल्हे की।
(घ) चीटियों की।

(ii) किससे पथ सजाया गया है ?

(क) फूलों से। (ख) मलमल से। (ग) काँटों से।
(घ) रेत से।

(iii) मैदान छोड़कर कौन भागी ?

(क) सूरज की रोशनी। (ख) चाँद।

(ग) तारकों की फौज। (घ) पुरुष।

(iv) रात का राजा चाँद कैसे खड़ा है ?

(क) राजकुमार जैसा बनकर। (ख) पहाड़ जैसा बनकर। (ग) पेड़ जैसा बनकर। (घ) भिखारी बनकर।

(v) विहग क्या गा रहे हैं ?

(क) कीर्ति गीत। (ख) संगीत। (ग) दुख भरे गीत।

(घ) प्रतिवादी गीत।

4 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।** 5

मन को मेरे फिर इन सबने घेरा।

फिर आँखों में घिरने लगा अँधेरा।

लगा विविध बातों का मेला जुड़ने

कहाँ-कहाँ तो लगा चित्त यह उड़ने

दाह लगा फिर, धीरे-धीरे बढ़ने

पड़ा चरण को फिर खोने का फेरा।

नीरव वाणी मेरे अंतस्तल में

डूब न जाए जग के कोलाहल में

सबके बीच रहो तुम मुझको छाए

अपने में मेरा जीवन अपनाए

मेरे चेतन पर निशिदिन फैलाए

ज्योतिर्मय त्रिभुवन ज्यों खिला सवेरा

(i) फिर धीरे-धीरे क्या बढ़ने लगा है?

(क) चित्त में कष्ट (ख) चरणों का फेरा

(ग) अन्धकार (घ) दाह

(ii) आँखों में फिर क्या घिरने लगा है?

(क) उजाला (ख) नीलाकाश

(ग) आँसुओं का सागर (घ) अन्धकार

(iii) कवि को जग के कोलाहल में किसके डूबने का भय है?

(क) अपने घर का (ख) नीरव वाणी के

(ग) अपने संस्कारों का (घ) उन्नति का

(iv) कवि ने ज्योतिर्मय त्रिभुवन की समानता किससे की है?

(क) पृथ्वी से (ख) सूर्य से

(ग) रात्रि से (घ) खिले हुये सवेरे से

(v) 'नीरव' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) नीर रहित (ख) बिना रस की

(ग) शान्त (घ) दुख भरी

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : 5

चंचल, आविष्कार

(ख) मङ्गला - में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए।

(ग) चान्दी - में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द को दोबारा लिखिए।

(घ) कॉफी - में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

6 (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : 4

(i) शुभ+इच्छा (ii) परम+ओज

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए :

(i) राजर्षि (ii) संरक्षक

7 (क) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग को अलग - अलग कीजिए। 6

चिरस्थायी, सहोदर

(ख) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय को अलग - अलग कीजिए।

आरोही,

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर लिखिए।

(i) महात्मा गांधी ने कहा सत्य ही ईश्वर है

(ii) अर्थशास्त्र कहता है आवश्यकता अविष्कार की जननी है

(iii) तुम्हें यहाँ अच्छा लग रहा है न मैं जानता हूँ

खण्ड ग
(पाठ्य-पुस्तक)

8 **पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** (2+2+1)

(i) बचेन्द्री पाल के बेस कैम्प पहुँचने पर कर्नल खुल्लर क्यों बहुत खुश हुए? 2

(ii) अतिथि के दूसरे दिन भी ठहर जाने के उपरान्त लेखक ने किस आशा के साथ अतिथि का सत्कार किया? और, किस रूप में? 2

(iii) बेटे के मरने पर खरबूजे बेचने आई बुढ़िया लोगों को लालची क्यों लगी? 1

greedy

9 आधुनिक सभ्यता धूल से परहेज़ क्यों करती है? आप धूल को किस रूप में अपनाना चाहेंगे और क्यों? 5

10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)** 5

परचून की दुकान पर बैठे लालाजी ने कहा, ''अरे भाई, उनके लिए मरे जिए का कोई मतलब न हो, पर दूसरे के धर्म-ईमान का तो ख्याल करना चाहिए। जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है और वह यहाँ सड़क पर बाजार में आकर खरबूजे बेचने बैठ गई है। हज़ार आदमी आते-जाते हैं। कोई क्या जानता है कि इसके घर में सूतक है। कोई इसके खरबूजे खा ले तो उसका ईमान-धर्म कैसे रहेगा? क्या अंधेर है?

(क) लाला जी ने क्या कहा?

(ख) लाला जी के अनुसार बुढ़िया के खरबूजे खाने पर क्या हो सकता है?

(ग)'सूतक' का क्या आशय है?

पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)

11(i) अनेक साधु-सन्तों के नाम लेकर कवि क्या स्पष्ट करना चाहते हैं? 2

(ii) रहीम ने फटे हुए दूध का उदाहरण क्यों दिया है? 2

(iii) इस दुनिया में किस-किस तरह के आदमी हैं? 'आदमीनामा' के आधार पर लिखिए। 1

12 आदमी के स्वभाव की विविधता और परिवर्तनशीलता का कवि ने क्या कहकर उल्लेख किया है? क्या आप कवि से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर लिखिए। 5

13 लेखिका द्वारा गिलहरी के बच्चे की सेवा हमें किन जीवनमूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है? सोदाहरण लिखिए। 5

खण्ड घ
(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर लगभग **80 से 100** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

14(i) **सोना उगले धरती मेरे देश की** 5

(क) कृषि प्रधान देश भारत

(ख) उपजाऊ भूमि और मेहनती किसान

(ग) आधुनिक तकनीकियों का प्रयोग और लाभ

(ii) **उपभोक्तावादी संस्कृति** 5

(क) दिखावे की होड़

(ख) भौतिक सुख

(ग) दिखावे के दुष्परिणाम

(iii) **पाश्चात्य संस्कृति और युवा** 5

- संस्कृति का अर्थ
- पाश्चात्य संस्कृति का युवाओं पर प्रभाव
- आज का युवा और भारतीयता के प्रति दायित्व

15 मित्र को पत्र लिखकर अपने नए अध्यापक/अध्यापिका के गुणों का वर्णन कीजिए। 5

16 दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग **20 - 30** शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 5
विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए।

17 'हमारा गौरवशाली अतीत और आधुनिकता का आवरण ओढ़े वर्तमान', विषय पर दो मित्रों के बीच में होने वाले 5
वार्तालाप लिखिए।

18 आयशर ट्रैक्टर की खरीद के लिए **20-25** शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

-o0o0o0o-